दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 28 अप्रैल 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 209

महत्वपूर्ण एवं खास

अभी तक तीनों धामों में 95,617 श्रद्धालु कर चुके हैं दर्शन

उत्तरकाशी (आरएनएस)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरू हो चुकी है। गुरुवार को बदरीनाथ धाम के कपाट भी खुल गए। यमुनोत्री, गंगोत्री के कपाट 22 अप्रैल को और केदारनाथ के कपाट 25 अप्रैल को खुल गए थे। अभी तक तीनों धामों में 95,617 यात्री पहुंच चुके हैं। केदारनाथ में मात्र 2 दिन में 31,827 यात्री बाबा के दर्शन कर चुके हैं। यमुनोत्री और गंगोत्री धाम में 63,790 श्रद्धालु मत्था टेक चुके हैं। अभी तक 31,647 यात्री यमुनोत्री धाम पहुंच चुके हैं। जिसमें 16765 पुरुष, 14179 महिलाएं और 703 बच्चे शामिल हैं। गंगोत्री धाम में 32,143 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। जिसमें 17,523 पुरुष, 13,705 महिलाएं और 915 बच्चे शामिल हैं। मौसम की बात करें तो गंगोत्री धाम क्षेत्र में हल्की बूंदाबांदी हो रही है। उधर, यमुनोत्री धाम क्षेत्र के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो रही है। केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को खुलने के बाद 13,492 यात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन किए। जिसमें 8612 पुरुष, 4697 महिलाएं और 182 बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा एक विदेशी नागरिक भी बाबा के द्वार पहुंचा। अभी तक 31,827 यात्री बाबा के दर्शन कर चुके हैं।

ओलंपिक बॉक्सर कौर सिंह खनाल का निधन, जीत चुके हैं 6 गोल्ड मैडल

संगरूर (आरएनएस)। ओलंपियन बॉक्सर, पद्मश्री, अर्जन अवार्डी और एशिया गोल्ड मेडलिस्ट कौर सिंह खनाल का निधन हो गया। गौरतलब है कि हाल ही में पंजाब की भगवंत मान सरकार ने उनकी जीवनी को पाठ्यक्रम में छापने का फैसला किया है। उनके निधन पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शोक व्यक्त किया है। बता दें कि 1971 में सेना में शामिल होने के बाद कौर सिंह ने 1977 में बॉक्सिंग शुरू की थी। 1979 से 1983 के दौरान, उन्होंने सीनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते। 1982 के एशियाई खेलों सहित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 6 स्वर्ण पदक जीते। वह एकमात्र मुक्केबाज हैं जिन्होंने 1980 में महान मुक्केबाज मुहम्मद अली के खिलाफ एक प्रदर्शनी मैच खेला था। सेना से सूबेदार के पद से रिटायर होने के बाद उन्होंने पंजाब पुलिस में एएसआई के तौर पर काम किया।

यूक्रेन ने विस्फोटक से भरे ड्रोन से की थी पुतिन को मारने की कोशिश

लंदन। यूक्रेनी गुप्त सेवा एजेंटों ने विस्फोटकों से लदे एक कामिकेज ड्रोन के साथ व्लादिमीर पुतिन की हत्या करने की कोशिश की, लेकिन मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) अपने लक्ष्य से कुछ मील की दूरी पर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उनका शीर्ष गुप्त मिशन विफल हो गया, जर्मन अखबार बिल्ड ने दावा किया कि यूक्रेन की सेना ने रविवार को यूक्रेन से 17 किलो सी4 प्लास्टिक विस्फोटक से लदा यूजे-22 ड्रोन लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य मास्को के पास एक नव-निर्मित औद्योगिक एस्टेट तक पहुंचना था, जहां पुतिन यात्रा करने वाले थे। बिल्ड ने यूक्रेनी कार्यकर्ता यूरी रोमनेंको के एक ट्वीट का हवाला देते हुए दावा किया कि रूसी नेता की हत्या करने के अपने स्पष्ट मिशन पर घातक ड्रोन रुडनेवो औद्योगिक पार्क में पहुंचने से पहले, साइट से कुछ मील दूर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। डेली मेल की सूचना दी- रोमनेंको, जो कीव की खुफिया सेवाओं के साथ घनिष्ठ संबंध होने का दावा करता है, उन्होंने आरोप लगाया कि यूक्रेनी गुप्त सेवा एजेंटों को पुतिन की औद्योगिक स्थल की स्पष्ट यात्रा के बारे में सूचना मिली थी और उन्होंने रूसी राष्ट्रपति की हत्या के प्रयास में घातक ड्रोन लॉन्च करने का फैसला किया था। उन्होंने दावा किया कि रुडनेवो औद्योगिक पार्क से 12 मील पूर्व में वोरोस्कोगो गांव में दुर्घटनाग्रस्त हुआ कामीकेज ड्रोन वही था जिसे यूक्रेनी सेना ने हत्या की साजिश के हिस्से के रूप में लॉन्च किया था। बिल्ड द्वारा उद्धृत ट्वीट में, रोमनेंको ने कहा: पुतिन हम करीब आ रहे हैं। सभी ने मास्को के लिए उड़ान भरने वाले ड्रोन के बारे में खबर देखी, लेकिन विस्फोट नहीं हुआ? तो, इस ड्रोन ने एक कारण से उड़ान भरी। पिछले हफ्ते, हमारे खुफिया अधिकारियों को रुडनेवो में औद्योगिक पार्क में पुतिन की यात्रा के बारे में जानकारी मिली। तदनुसार, हमारे कामीकेज ड्रोन ने उड़ान भरी और औद्योगिक पार्क से बहुत दूर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि, नक्सलियों का किया पुतला दहन

जगदलपुर (आरएनएस)। दंतेवाड़ा जिले में हुई नक्सली हिंसा के विरोध में जगदलपुर के नागरिकों ने जय स्तम्भ चौक में शहिद जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनिट का मौन रखा। उसके बाद नक्सली मुर्दाबाद, शहीद जवान अमर रहे के नारे लगाते हुए गोल बाजार चौक में नक्सलीयों का पुतला दहन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में शहर के वरिष्ठ नागरिक, युवा वर्ग, व्यापारी वर्ग, अधिकारी, कर्मचारी सभी शामिल हुए और नक्सलीयों की कायराना हरकत का पुरजोर विरोध किया। आनंद मोहन मिश्रा ने कहा कि शहर के नागरिकों ने यह मांग है कि सरकार इस घटना को गम्भीरता लेते हुए बस्तर को नक्सलवाद की आग में झोंकने वाले सफेदपोशों को गिरफ्तार करे और नक्सलवाद का सफाया करे।

इस दौरान संतोष कुमार जैन, दशरथ कश्यप, किशोर पारख, संपत झा, आनंद मोहन मिश्रा, योगेंद्र कौशिक, अरुण नेताम, वेदांत दीक्षित, राजकुमार दंडवानी, दिनेश सराफ, मनीष मूलचंदानी, नवीन मूलचंदानी, नारायण देवांगन, अविनाश गौतम, विनोद पांडे, रोहित सिंह बैस, नन्हा दुबे, बंटू, उमाशंकर झा, रूपेश झा, दीपक झा, प्रकाश झा, राजेंद्र सिंह, केतन भाटिया, पप्पू मल्ल, मनोज पाणीग्राही, सहित अन्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने दंतेवाड़ा पहुंचकर जवानों की शहादत को किया नमन- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दंतेवाड़ा पहुंचकर अरनपुर घटना में शहादत देने वाले शहीद जवानों के पार्थिव शरीर पर पुष्पगुच्छ अर्पित कर श्रद्धांजलि दी । मुख्यमंत्री ने शहीद जवानों के पार्थिव शरीर को कंधा दिया। उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों को भी ढांढस बंधाया।

इस दौरान गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, लोकसभा सांसद दीपक बैज, राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, बीजापुर विधायक विक्रम मडांवी, दंतेवाड़ा विधायक देवती कर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष तूलिका कर्मा, डीजीपी अशोक जुनेजा, एडीजी नक्सल विवेकानंद सिन्हा, बस्तर कमिश्नर श्याम धावड़े, आईजी बस्तर सुंदरराज पी., कलेक्टर विनीत नन्दनवार, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण में भी शहीदों को श्रद्धांजलि और पार्थिव शरीर को कंधा दिया। जिला प्रशासन दंतेवाड़ा द्वारा शहीद जवानों के पार्थिव शरीर को उनके गृह ग्राम के लिए रवाना किया गया।

ग्राम अरनपुर में 26 अप्रैल को नक्सल घटना में शहीद जवानों में सर्वश्री जोगा सोढ़ी पोलमपल्ली सुकमा, दंतेवाड़ा के मुन्ना कड़ती तुमनार दंतेवाड़ा, संतोष तामो भांसी दंतेवाड़ा, दुलगो मंडावी कटेकल्याण दंतेवाड़ा, लखमू राम मडक़ामी भैरमगढ़ बीजापुर, जोगा कवासी कटेकल्याण दंतेवाड़ा, हरिराम कटेकल्याण दंतेवाड़ा, जयराम पोडियाम कटेकल्याण दंतेवाड़ा, जगदीश कुमार कोवासी कटेकल्याण दंतेवाड़ा, राजू राम करटम कटेकल्याण दंतेवाड़ा शामिल है।

दो वर्ष के बाद बड़ा हमला करने में सफल हुए नक्सली

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। बस्तर संभाग में अप्रैल 2021 में छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा के सीमा क्षेत्र में हुए नक्सली हमले में 22 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे, जबकि कई जवान घायल भी हुए थे। इसके 02 वर्ष के बाद टीसीओसी के दौरान 26 अप्रैल 2023 को अरनपुर में आईईडी विस्फोट में डीआरजी के 10 जवान और एक वाहन चालक शहीद हुए हैं। 02 वर्ष के बाद नक्सली बड़ा हमला करने में सफल हुए हैं, इसे हाल का सबसे बड़ा नक्सली हमला माना जा रहा है। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब नक्सलियों के हमले में इतनी बड़ी तादाद में जवान शहीद हुए हैं। बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में ऐसे ही कई बड़े हमले हो चुके हैं, जिसे स्मृति में रखना भी आवश्यक है।

1. छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सबसे बड़ा नक्सली हमला 06 अप्रैल 2010 को हुआ था जिसमें 76 जवान शहीद हो गए थे।

2. 25 मई 2013 जीरम घाटी हमला हुआ था। उस हमले में नक्सलियों ने परिवर्तन यात्रा पर हमला कर दिया था, जिसमें कांग्रेस के शीर्ष नेताओं सहित 30 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

3. एक बार फिर 11 मार्च 2014 को जीरम घाटी पर हमला हुआ था जिसमें 14 जवान शहीद हो गए थे।

4. 12 अप्रैल 2014 को छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सली हमला हुआ था जिसमें 05 जवानों समेत 14 लोगों की मौत हो गई थी।

5.अप्रैल 2015 में छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में हुए नक्सली हमले में नक्सलियों के बिछाए बारुदी सुरंग के फटने से सुरक्षा बल के 04 जवान शहीद हो गए जबकि 08 घायल हो गए थे।

6. मार्च 2017 में ही छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में लैंडमाइन ब्लास्ट में सीआरपीएफ के 07 जवान मारे गए।

7. पिछले महीने 11 मार्च को नक्सलियों ने सीआरपीएफ की 219वीं बटालियन को निशाना बनाया था जिसमें 12 जवान शहीद हो गए थे।

8. अप्रैल 2017 को हुए नक्सली हमले में सीआरपीएफ के 25 जवान शहीद हो गए थे।

9. मार्च 2020 में सुकमा में हुए नक्सली हमले में डीआरजी-एसटीएफ के 17 जवान शहीद हुए थे और करीब 14 जवान घायल हुए थे।

10. अप्रैल 2021 में छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा बॉर्डर में हुए नक्सली हमले में 22 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे, जबकि कई जवान घायल भी हुए थे।

11. 26 अप्रैल 2023 को हुए हमले में डीआरजी के 10 जवान शहीद हो गए, इसे 02 वर्ष बाद नक्सलियों का सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है।

दिल्ली पुलिस ने वांछित कुख्यात गैंगस्टर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। तिहाड़ जेल में प्रिंस तेवतिया की हत्या का बदला लेने की साजिश रच रहे एक कुख्यात गैंगस्टर को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। संगम विहार निवासी विक्रांत उर्फ मेंटल (25) ने हाल ही में प्रिंस तेवतिया के गिरोह को अपने कब्जे में लिया था। वह हत्या समेत तीन मामलों में वांछित था। पुलिस ने विक्रांत के कब्जे से दो ऑटोमेटिक पिस्टल, तीन देसी पिस्टल और 16 गोलियां बरामद की हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रिंस तेवतिया की 14 अप्रैल को तिहाड़ में अतातुर रहमान और रोहित चौधरी गिरोह के द्वारा हत्या कर दिए जाने के बाद विक्रांत बदला लेने की फिराक में था। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवींद्र सिंह यादव ने कहा कि तेवतिया की हत्या के बाद गैंगवार की संभावना को देखते हुए दिल्ली/एनसीआर में फायरिंग, हत्या और रंगदारी के बढ़ते मामलों को देखते हुए सक्रिय गैंगस्टरों को पकडऩे के लिए एक टीम का गठन किया गया था।

उन्होंने कहा कि पुलिस के पास पुख्ता जानकारी थी कि राजकुमार तेवतिया की हत्या का बदला लेने के लिए विक्रांत रोहित चौधरी गिरोह के सदस्यों को खत्म करने की योजना बना रहा था और नंदू गिरोह का संदीप छिकारा उसकी मदद कर रहा था। टीम को तब एक सूचना मिली कि विक्रांत हथियारों और गोला-बारूद की एक बड़ी खेप के साथ बिजवासन-नजफगढ़ रोड पर आएगा, जिसे वह प्रतिद्वंद्वियों को खत्म करने के लिए अपने गिरोह के सदस्यों को वितरित करेगा। इस पर जाल बिछाकर उसे पकड़ लिया गया।

विक्रांत प्रिंस तेवतिया के गिरोह में शामिल हो गया था और उसने अपने साथियों हरि किशन, हनी रावत के साथ मिलकर एक सिंडिकेट बनाया और जघन्य अपराध करने लगा।

यूएन में भारत का पाक-चीन को करारा जवाब, 'जम्मू-कश्मीर-लद्दाख हमारा था, है और रहेगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को लेकर अपना रुख स्पष्ट करते हुए चीन और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। भारत ने अपने इस रुख को दोहराया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे। उन्होंने 'यूएनजीए प्लेनरी: यूज ऑफ द वीटो' को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी देश कितनी भी गलत सूचना, बयानबाजी और प्रचार करले लेकिन वो इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकता है।

काउंसलर प्रतीक माथुर ने कहा कि यूएनजीओ के 'वीटो पहल' को अपनाए हुए एक साल बीत चुका है। उन्होंने कहा कि यूएनजीए ने 2008 में सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की थी कि यूएनएससी सुधार के सभी पांच पहलू, जिनमें वीटो भी शामिल है, पर व्यापक तरीके से फैसला किया जाएगा।

यूएनएससी में सुधार की पर फिर समर्थन जताते हुए उन्होंने कहा कि वीटो पर भारत की स्थिति स्पष्ट है। बता दें कि भारत और कई अफ्रीकी और एशियाई देश कई सालों से वीटो सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र पर जोर दे रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम जिन्हें सामूहिक रूप से पी5 के रूप में जाना जाता है। इन 5 देशों का कोई भी सदस्य संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित प्रस्ताव को वीटो कर सकता है। हालांकि, सुरक्षा परिषद 10 सदस्यों का चुनाव करती है, जो परिषद में दो साल तक रहते हैं, लेकिन उन्हें वीटो पावर नहीं दिया जाता है।

यूएनएससी में सुधार की पर फिर समर्थन जताते हुए उन्होंने कहा कि वीटो पर भारत की स्थिति स्पष्ट है। बता दें कि भारत और कई अफ्रीकी और एशियाई देश कई सालों से वीटो सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र पर जोर दे रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम जिन्हें सामूहिक रूप से पी5 के रूप में जाना जाता है। इन 5 देशों का कोई भी सदस्य संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित प्रस्ताव को वीटो कर सकता है। हालांकि, सुरक्षा परिषद 10 सदस्यों का चुनाव करती है, जो परिषद में दो साल तक रहते हैं, लेकिन उन्हें वीटो पावर नहीं दिया जाता है।

ईडी ने लखनऊ छात्रवृत्ति घोटाला मामले में 3 को किया गिरफ्तार

लखनऊ (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लखनऊ में करोड़ों की छात्रवृत्ति मामले में तीन लोगों — इजहार हुसैन जाफरी, अली अब्बास जाफरी और रवि प्रकाश गुप्ता को गिरफ्तार किया है। ईडी ने इससे पहले 16 फरवरी को लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के कई जिलों के 10 शैक्षणिक संस्थानों पर मामले के सिलसिले में छापेमारी की थी। इन संस्थानों और कई अन्य कॉलेजों के बारे में महत्वपूर्ण सबूत जब्त किए गए थे, जो प्रथम ²ष्टया अनियमितताओं में शामिल पाए गए थे।

ईडी के एक बयान में कहा गया है कि जांच से पता चला है कि ये लोग लखनऊ में हाईगिया ग्रुप ऑफ कॉलेज के तहत घोटाले का संचालन कर रहे थे और छात्रों के रूप में

दिखाए गए अपात्र व्यक्तियों के आधार और बैंक विवरण का उपयोग कर धोखाधड़ी से स्कॉलरशिप फंड प्राप्त किया गया।

जांच के दौरान यह सामने आया कि इन छात्रों में से कई को अपने नाम पर ऐसी किसी योजना का लाभ उठाने की जानकारी भी नहीं थी।

तीनों आरोपियों ने एक पेमेंट्स बैंक के एजेंटों के साथ साजिश रचते हुए छात्रों के खातों से स्कॉलरशिप के फंड को हाईगिया ग्रुप ऑफ कॉलेजों और अन्य लोगों और संस्थानों के बैंक अकाउंट्स में कथित रूप से डायवर्ट कर दिया।

जांच में पता चला कि उन्होंने न केवल लाभार्थी छात्रों के बैंक अकाउंट को नियंत्रित किया और अवैध रूप से उनके एटीएम कार्ड, फोन नंबरों को स्व-संचालन के लिए रखा, बल्कि विभिन्न स्थानों पर छात्रों के बैंक खातों से नकद में छात्रवृत्ति राशि के हस्तांतरण और निकासी के लिए एजेंटों और उनकी माइक्रो-एटीएम मशीनों के यूजर आईडी और पासवर्ड का अवैध रूप से उपयोग किया।

बयान में कहा गया है कि स्कॉलरशिप फंड सीधे छात्रों के खातों में जमा की गई थी, लेकिन आरोपी ने सिस्टम में बनाए गए सभी सुरक्षा उपायों की धज्जियां उड़ा दीं।

जांच में यह भी पता चला कि गिरफ्तार किए गए लोग अपराध की आय के प्रत्यक्ष लाभार्थी थे।

ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लखनऊ की एक सक्षम अदालत ने सभी गिरफ्तार लोगों को पांच दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया है।

अतीक के बेटों अली और उमर पर एक और रिपोर्ट दर्ज

❐ कभी नजदीकी रहे मोहम्मद मुस्लिम ने दर्ज कराई एफआईआर

प्रयागराज (आरएनएस)। माफिया अतीक के दो बेटों अली और उमर समेत आधा दर्जन लोगों पर रंगदारी मांगने का एक और केस दर्ज किया गया है। यह केस कभी अतीक के बेहद करीबी बिल्डरों में शामिल रहे मोहम्मद मुस्लिम ने दर्ज कराया है। मुस्लिम की तहरीर पर बुधवार शाम को उमर और अली के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है।

इसमें आरोप लगाया गया है कि 2007 में धूमनगंज के देवघाट स्थित पैतृक जमीन न देने पर आरोपियों ने अगवा कर अतीक के चकिया स्थित कार्यालय पर ले जाकर मारा-पीटा और जान से मारने की धमकी दी। मोहम्मद मुस्लिम ने तहरीर में बताया है कि देवघाट में उसकी पैतृक जमीन है। वर्तमान कीमत 15 करोड़ रुपए है। अतीक की मंशा थी कि मैं यह जमीन उनके नाम कर दूं। जब मैंने इसका विरोध किया तो मुझे जान से मारने की धमकी दी जाने लगी। डर के मारे मैं 2007 में लखनऊ जाकर रहने लगा। किसी काम से जब प्रयागराज अपने घर जा रहा था तभी अतीक के लडक़े अली, उमर, असाद कालिया, अजय, एहतेशाम और नुसरत ने मुझे गाड़ी से खींच लिया। गाली देते हुए चकिया स्थित कार्यालय ले गए और मारा-पीटा। मना करने पर कनपटी पर पिस्टल सटा दी और जान से मारने की धमकी दी। मामला 2007 का है। मोहम्मद मुस्लिम ने पुलिस को बताया कि वह अतीक के डर के मारे अभी तक चुप था। खुल्दाबाद इंस्पेक्टर अनुराग शर्मा ने बताया कि मोहम्मद मुस्लिम की तहरीर पर अली, उमर समेत 6 पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

मोहम्मद मुस्लिम ने तहरीर में यह भी लिखा है कि मेरी जमीन का बैनामा करने को जब अतीक के लडक़े दबाव बनाने लगे तो मैंने हाथ जोडक़र जान बचाने की गुहार लगाई। अली अहमद ने मेरी एक न सुनी। जान से मारने की नीयत से मेरे गले में बेल्ट बांध दिया और मुझे बारजे पर लटकाकर मारने लगे। उन्होंने धमकाया कि यदि जिंदा रहना है तो तुम्हारी हर जमीन और प्लॉट में हम लोगों का हिस्सा रंगदारी के रूप में देना पड़ेगा।

सूडान से फंसे 360 भारतीय पहुंचे दिल्ली, एयरपोर्ट पर लगे 'नरेंद्र मोदी जिंदाबाद' के नारे

नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑपरेशन कावेरी के तहत हिंसा प्रभावित सूडान से 360 भारतीयों को लेकर पहली उड़ान दिल्ली पहुंच गई। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही लोगों ने भारत माता की जय, इंडियन आर्मी जिंदाबाद, पीएम नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए। सूडान से लौटे एक भारतीय नागरिक ने कहा, भारत सरकार ने हमारा बहुत साथ दिया। बड़ी बात यह है कि हम यहां सुरक्षित पहुंच गए क्योंकि यह बहुत खतरनाक था। मैं पीएम मोदी और भारतीय सरकार को धन्यवाद देता हूं।

बता दें, भारत अब तक करीब 1100 नागरिकों को भारतीय नौसेना के जहाजों और वायु सेना के विमानों के जरिये सुरक्षित बाहर निकाला है। भारतीय वायुसेना का सी-130जे विमान 128 भारतीयों को लेकर जेद्दाह पहुंचा, जबकि आईएनएस तेग भारतीयों के पांचवें जत्थे सहित 297 यात्रियों को लेकर कल रात सूडान बंदरगाह से रवाना हुआ। बचाव कार्यों की निगरानी के लिए जेद्दा में मौजूदा विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने ट्वीट में कहा, यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि जेद्दा पहुंचे सभी भारतीयों को जल्द से जल्द भारत भेजा जाए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, चौथी आईएएफ सी-130जे उड़ान 128 यात्रियों के साथ पोर्ट सूडान से जेद्दा के लिए रवाना हुई। ऑपरेशन कावेरी के तहत सूडान से निकाले जाने वाले भारतीयों का यह छठा जत्था है। इसके बाद अब तक कुल लगभग 1100 लोगों को सूडान से निकाला गया हैं।

इस बीच मुरलीधरन ने खार्तून में गोलीबारी में मारे गए भारतीय नागरिक

अल्बर्ट ऑगस्टाइन के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट कर कहा, भारतीय वायुसेना के सी130 जे विमान द्वारा जेद्दा पहुंचे सूडान में मारे गए एक भारतीय अल्बर्ट ऑगस्टाइन के परिवार से मिला। परिवार के कोच्चि पहुंचने के लिए तुरंत टिकट का इंतजाम किया। उन्होंने ट्वीट किया, परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। ऑपरेशन कावेरी तब तक जारी रहेगा जब तक हम उन सभी भारतीयों को नहीं बचा लेते जो घर वापस आना चाहते हैं।

सूडान में हालात बेहद खराब, हम हर भारतीय को वहां से निकालेंगे : विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय के सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने आज मिशन कावेरी पर जानकारी देते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य शीघ्र से शीघ्र अपने लोगों को सेफ जगह भेजकर उन्हें भारत लाना है। उन्होंने कहा कि सूडान में हालात बेहद खराब हैं, हम हर भारतीय को वहां से बाहर निकालेंगे। सूडान में आपरेशन कावेरी के दूसरे दिन बुधवार देर रात 367 नागरिकों का पहला बैच सऊदी अरब के जेद्दाह से नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा। एयरपोर्ट पर लोगों ने 'भारत माता की जय, इंडियन आर्मी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद' के नारे लगाए। सूडान से सकुशल लौटे भोपाल के जयंत ने बताया कि मैं भारत सरकार का खासतौर पर पीएम मोदी का धन्यवाद करता हूं, वहां हालात काफी खराब हैं, कई भारतीय अब भी हैं जिनका आना बाकी है। जयंत के पिता ने कहा कि हम काफी दिन से परेशान थे, हमें कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर कैसे जयंत वापस आएगा? मगर हमारी सरकार के प्रयास से जयंत आज घर लौटा है। इसके लिए मीडिया का भी बहुत बहुत धन्यवाद।